**भारत सरकार**

**आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 6264**

**02 अप्रैल, 2026 को उत्तर दिये जाने के लिए**

**सार्वजनिक निर्माण और बुनियादी ढांचा अनुबंध**

**6264. श्री राहुल गांधीः**

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा और मंत्रालय की शहरी बुनियादी ढांचा योजनाओं के अंतर्गत दिए गए सार्वजनिक कार्यों और बुनियादी ढांचा अनुबंधों की कुल संख्या कितनी है और उनका वर्ष-वार मूल्य क्या है;

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) से संबंधित व्यक्तियों के स्वामित्व वाले उद्यमों को दिए गए ऐसे अनुबंधों की कुल संख्या कितनी है और उनका वर्ष-वार मूल्य कितना है;

(ग) क्या सरकार ने एससी/एसटी के स्वामित्व वाले व्यवसायों से चार प्रतिशत खरीद के मौजूदा उप-लक्ष्य को पूरा कर लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार का ओबीसी के स्वामित्व वाले व्यवसायों से खरीद लक्ष्य शुरू करने और/या सार्वजनिक कार्यों और बुनियादी ढांचा अनुबंधों में एससी/एसटी के स्वामित्व वाले उद्यमों के लिए खरीद अनिवार्यताओं को बढ़ाने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री**

**(श्री तोखन साहू)**

(क) प्रदान किए गए लोक निर्माण और इन्फ्रास्ट्रक्चर ठेकों की वर्ष-वार संख्या और मूल्य अनुलग्नक-I में संलग्न हैं।

(ख) अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछडे वर्गों (ओबीसी) से संबंधित व्यक्तियों के स्वामित्व वाले उद्यमों को दिए गए ठेकों के बारे में पता लगाने के लिए कोई मौजूदा तंत्र नहीं है।

(ग) उपर्युक्त सभी ठेके निर्माण ठेकों के अंतर्गत आते हैं। इसलिए, ऐसी कोई सूचना उपलब्ध नहीं है क्योंकि यह निर्माण ठेकों के लिए अनिवार्य नहीं है।

(घ) उपर्युक्त (ग) को ध्यान में रखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

*****

| वर्ष | लोक निर्माण कार्यों की संख्या | मूल्य (₹) (करोड़ में) |
|---|---|---|
| 2021-22 | 6057 | 10214.8 |
| 2022-23 | 7365 | 11621 |
| 2023-24 | 8088 | 12293.14 |
| 2024-25 | 8948 | 11274.10 |
| 2025-26 | 8402 | 16587 |

******